I. 11. 1.: राज्ञा यष्टुम् मनो दधे· *Cum* श्रत् fides (श्रद्धा), fidem ponere, credere, *c. acc. interdum cum dat. vel gen.* Mah. 1. 3060.: कस् ते श्रद्धास्यते वचः; 2. 217.: कच्चिन् न श्रद्दधासि स्त्रीणाम्; Yag'ur-V. (v. Westrg.): श्रद् अस्मै वचसे दधातन; Bh. 12. 20.: श्रद्दधान· 2) dare, tribuere. N. 14. 11.: तत्र ते ऽहं श्रेयो धास्यामि; Man. 1. 29.: यद् यस्य सो ऽदधात्· 3) *Atm.* sumere, assumere, accipere (proprie sibi dare, cf. दा praef. आ). Hit. 7. 16.: काचः काञ्चनसंसर्गाद् धत्ते मारकतीन् द्युतिम्· 4) tenere, ferre, gerere, habere. Nalod. 1. 17.: दधती भारम् भाभिः; 2. 52.; Ragh. 9. 39.: युवतयः कुसुमन् दधुर् आहितम् तदलके; Bhatt. 4. 16.: दधाना बलिभम् मध्यम्· 5) sustentare. Ragh. 1. 26.: दधतुर् भुवनद्वयम्· — *Part. pass.* हित (gr. 608.) 1) intentus. Bh. 16. 9. 2) bonus. *Subst. n.* bonum, salus, felicitas. Br. 2. 4. 25. (Gr. τίθημι; lat. *do* in compositis nonnullis (*condo, abdo, credo* = श्रद्दधामि, v. gr. comp. 632.); lith. *demi, dedú* pono, colloco; goth. *dê-ths*, Them. *dêdi* factum, in *missadêths*; sax. vet. *dôm* facio, *dôs* facis, *dôt* facit = दधामि, दधासि, दधाति (v. धातृ, धा praef. वि, zend. *dhâ* facere, creare); germ. vet. *tôm, toam, tuam, tuon* facio; nostrum *thue*; huc etiam pertinet syllaba *te* in praeteritis ut *suchte, machte,* goth. *sôkidêdum* quaesivimus, *sokidêdjau* quaererem; v. gr. comp. 620. sq.; slav. *dje-jû* facio, *dje-lo* opus; hib. *deanaim* «I do, make act, work», *dan* «work».)

c. अनु favere. Ragh. 17. 36.: अनुदध्युर् अनुध्येयम्·

c. अन्तर् in se accipere. Ragh. 15. 81.: पृथिवि माम् अन्तर्धातुम् अर्हसि· 2) tegere, occulere. Mah. 4. 1042.: इषुभिर् व्यतिसर्पद्भिर् आदित्यो ऽन्तरधीयत; 1683.: कार्णम् ... अन्तर्दधे घोरशरौघवृष्ट्या; 1. 8713.: अन्तर्धाया ''त्मानम्· Se occulere. (*Atm.*) Batt. 5. 32.: अन्तर्धत्स्व रामात्· — *Pass.* invisibilem fieri, evanescere. Su. 1. 17.: ततः स्त्रियस् ता ऽद्भुतन् तत् सर्वम् अन्तरधीयत; N. 12. 96.: तापसा ऽन्तर्हिताः सर्वे; 14. 12. 26.; Mah. 1. 119.: अन्तर्हितानाम् भूतानान् निस्वनो ऽभवत्; 1. 4710.: वाग् अन्तर्हिता ऽब्रवीत्·

c. अपि vel पि tegere, claudere. In. 5. 36.: कर्णौ हस्ताभ्याम् पिधाय; A. 6. 11.: द्वाराणि पिदधुः·

c. अभि 1) referre, narrare, exponere. N. 12. 76.: विस्तरेणा 'भिधास्यामि; 13. 18. Bh. 18. 68. 2) nominare. Bh. 13. 1.: क्षेत्रम् इत्य् अभिधीयते; 18. 11. 3) oppugnare, invadere. Mah.: मागधान् अभ्यधाद् बली·

c. अव 1) ponere. Mah. 1. 4503.: कुण्डेषु गर्भान् अवदधे· 2) animum intendere. Hit. 83. 15.: देव अवधीयताम्; R. Schl. II. 63. 4.: अवहित·

c. अव praef. अभि tegere. Ram. Schl. II. 40. 33.: अश्रुभिः पतितैर् अभ्यवहितम् प्रशशाम महीरजः·

c. अव praef. वि *id.* Ragh. 9. 57.: हरिणस्य व्यवधाय देहम्·

c. आ 1) ponere, imponere, apponere, applicare. Sa. 1. 18.: महिष्याङ् गर्भम् आदधे; N. 13. 69.: इति मे व्रतम् आहितम्; 24. 19.: अग्नाव् अग्निर् इवा ''हितः; Bh. 12. 8.: मय्य् एव मन आधत्स्व; Br. 2. 15.: कथं शक्ष्यामि बाले ऽस्मिन् गुणान् आधातुम्; Ragh. 7. 17.: तम् आधाय विवाहसाक्ष्ये· 2) dare, tribuere. Su. 4. 23.: इन्द्रे त्रैलोक्यम् आधाय·

c. आ praef. अभि ponere, apponere. Man. 8. 372.: अभ्यादध्युः काष्ठानि तत्र·

c. आ praef. उप facere. R. Schl. II. 35. 28.: मा त्वम् ... भर्तारं लोकभर्तारम् असद्धर्मम् उपादधाः·

c. आ praef. सम् 1) *id.* N. 22. 10. 23. 12. Su. 1. 7. Bh. 12. 9. 17. 11. 2) animum intendere. N. 22. 2. 5. Sa. 6. 12.: समाहित· 3) animadvertere. Hit. 110. 14.: उत्पन्नाम् आपदं यस् तु समाधत्ते स बुद्धिमान्· 4) emendare, corrigere. Hit. 88. 22.: मन्त्रभेदे ऽपि ये दोषाः सम्भवन्ति महीपतेः । न शक्यास् ते समाधातुम्·

c. उप ponere, apponere, imponere, supponere, adhibere. R. Schl. II. 42. 16.: अश्मानम् उपधाय शयिष्यते; II. 61. 7.: शेते भुजम् उपधाय; Ragh. 8. 29.: क्रिया हि वस्तूपहिता प्रसीदति; 8. 76.: शृणु ... तां (सरस्वतीम्) हृदि चै 'नाम् उपधातुम् अर्हसि·

c. तिरस् *Pass.* invisibilem fieri, evanescere. Ragh. 10.